IIT KANPUR

INCUBATION AND INNOVATION IIT KANPUR

STARTUP INCUBATION AND INNOVATION CENTRE IIT KANPUR

जनवरी 2025

टेक की बात

अभिव्यक्ति 2025: उभरते नवाचारों को उजागर करना

अंक 4

संस्करण - 01

गुरु

मंत्र

श्री रॉनी बनर्जी

सलाहकार, अर्न्स्ट एंड यंग

रॉनी बनर्जी विकासात्मक पहलों के क्षेत्र में 27 वर्षों के सुदीर्ध और गहन अनुभव से विभूषित एक प्रखर विशेषज्ञ है। वे नीतिगत हस्तक्षेप, संभाव्यता विश्लेषण (feasibility assessments) तथा समावेशी विपणन रणनीतियों में अप्रतिम निपुणता के धनी हैं। साथ ही, वे एक उत्कृष्ट कथाकार हैं और "क्या स्टार्टअप्स के लिए कोई रॉकेट ईंधन है?" नामक कृति के रचियता है, जिसे भारत में ब्रिटेन एशियन व्यापार परिषद् द्वारा प्रस्तुत किया गया हैं।

बाधाओं को तोड़ते हुए : भारत की 100 अरब डॉलर की खेल अर्थव्यवस्था का विस्तार

भारत का खेल उद्योग एक बड़े बदलाव के दौर में प्रवेश कर रहा है, जहाँ खेल-केंद्रित स्टार्टअप्स और नवाचारों के अभूतपूर्व अवसर उभर रहे हैं। खेलो इंडिया, जैसी योजनाओं, युवाओं की बढ़ती भागीदारी और कॉर्पोरेट निवेश के सहयोग से प्रेरित यह क्षेत्र 2027 तक बहु-अरब डॉलर की आर्थिक वृद्धि की ओर अग्रसर है। 2036 के ओलंपिक की तैयारी पर केंद्रित दीर्घकालिक योजनाएँ इस क्षेत्र के भविष्य को और अधिक उज्ज्वल बना रही है।

2023 में, भारत की खेल अर्थव्यवस्था ने खर्च में 1.9 अरब डॉलर के खर्च को पार कर लिया, जिसमें मीडिया का योगदान 53% था। भारतीय प्रीमियर लीग (आईपीएल) 15.4 अरब डॉलर के बाजार मूल्य के साथ अग्रणी है। फुटबॉल, कबड्डी, बैडमिंटन और एथलेटिक्स जैसे खेलों में विविधीकरण ने तेजी से गति पकड़ी है, जो इंफ्रास्ट्रक्चर, डिजिटल प्लेटफार्मों और नवाचारी उत्पादों की मांग को प्रोत्साहित कर रहा है।

स्टार्टअप्स सरकारी सहायता का लाभ उठाते हुए, पर्यावरण के अनुकूल स्टेडियमों, जिम और सुविधाओं के निर्माण में अग्रसर हो सकते हैं। बढ़ते फिटनेस रुझानों के साथ,भारतीय उपभोक्ताओं के लिए स्मार्ट वियेरबल्स और प्रशिक्षण उपकरणों की मांग में निरंतर वृद्धि हो रही है। उभरते हुए एथलीटों को पोषित करने के लिए, विशेष रूप से गैर-क्रिकेट खेलों और नए रुझानों जैसे पिकलबॉल, वुशु और चेस, बॉक्सिंग में, प्रतिभा पहचान और प्रशिक्षण संसाधनों के लिए प्लेटफॉर्मों की अत्यधिक आवश्यकता हैं।

कॉरपोरेट दिग्गज जैसे रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा ग्रुप, डीएलएफ और जेएसडब्ल्यू खेलों में भारी निवेश कर रहे हैं। ये निवेश, साथ ही प्रायोजन और समर्थन, स्टार्टअप्स के लिए एक सशक्त वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करते हैं, जो उन्हें प्रगति और उन्नति के मार्ग पर निरंतर अग्रसर होने के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करता है।

प्रौद्योगिकी संचालित कंपनियां जैसे "खेल नाऊ" इस संभाव्यता का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करती हैं। वित्तीय वर्ष 2023-24 में 44 मिलियन अद्वितीय उपयोगकर्ताओं और 103 मिलियन पृष्ठ दृश्यों के साथ, 'खेल नाऊ' ने लाइव स्कोर, फैंटेसी टिप्स और एआई-संचालित उपयोगकर्ता सहभागिता की बढ़ती मांग को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किया। 350K डॉलर की सीड फंडिंग से शुरुआत करने के बाद, इस मंच ने विभिन्न खेलों को कवर करते हुए 502.2 मिलियन यूट्यूब दृश्य प्राप्त किए और एआई-सक्षम मोबाइल एप्लीकेशन लॉन्च किए, , जो यह सिद्ध करते है कि नवाचार किस प्रकार बाजार की अवश्यकताओं से मेल खाता है।

खेल स्टार्टअप्स के लिए प्रमुख रणनीतियाँ:

- प्रौद्योगिकी का उपयोग करें: उपयोगकर्ता अनुभव और संचालन कुशलता को उन्नत करें।
- स्थिरता को प्राथमिकता दें: पर्यावरण सचेत उपभोक्ताओं को आकर्षित करें।
- रणनीतिक साझेदारियाँ बनाए: खेल महासंघों, ओटीटी प्लेटफार्मों और फिटनेस समुदायों के साथ सहयोग कर विश्वसनीयता और विकास सुनिश्चित करें।
- खेल उपकरण और वस्तुओं का अन्वेषण करें: भारत के बढ़ते खेल निर्माण क्षेत्र का लाभ उठाएं।

विषय सूची

नवीन इन्क्यूबेशन

एसआईआईसी(SIIC), आईआईटी कानपुर में दिसंबर माह के दौरान नवीन और अभिनव प्रौद्योगिकियों के साथ नए स्टार्टअप्स शुरू किए गए हैं। स्टार्टअप्स के बारे में जानने के लिए आगे पढ़ें।

अधिक जानने के लिए इस अनुभाग को देखें।

पृष्ठ सं: 01

मासिक समयरेखा

एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर पारिस्थितिकी तंत्र के भीतर पूरे महीने में संपन्न हुई शानदार गतिविधियों पर गहराई से नज़र डालें।

अधिक जानने के लिए इस अनुभाग को देखें।

पृष्ठ सं: 02

कार्यक्रम की झलकियां

एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर में वर्तमान में चल रहे विभिन्न कार्यक्रम अनुभागों में कुछ उत्कृष्ट उपलब्धियों के बारे में जानें ।

अधिक जानने के लिए इस अनुभाग को देखें।

पृष्ठ सं: 03-04

सफलता की कहानियां

इस भाग में उन प्रेरक स्टार्टअप्स के बारे में जानें जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी उल्लेखनीय उपलब्धियों से हमारे इनक्यूबेशन पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत किया।

अधिक जानने के लिए इस अनुभाग को देखें।

पृष्ठ सं: 05

इनोवेशन के अग्रदूत

उन दूरदर्शी मस्तिष्कों का अन्वेषण करें जिन्होंने बड़े सपने देखने का साहस किया और भारत के जीवंत स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र की नींव रखी।

अधिक जानने के लिए इस अनुभाग को देखें।

पृष्ठ सं: 06

आगामी कार्यक्रम/कार्यशालाएं /अनुदान

एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर में निर्धारित आगामी अनुदानों, कार्यक्रमों और कार्यशालाओं का अन्वेषण करें।

अधिक जानने के लिए इस अनुभाग को देखें।

पृष्ठ सं: 07

नवीन इनक्यूबेशन

फ्लेमबैक टेक

समर्थ वासदेव और स्टार्क वासदेव द्वारा स्थापित स्टार्टअप है, जो उन्नत ड्रोन घटकों, प्रणोदन प्रणालियों और अभियंत्रण सेवाओं में विशेषज्ञता रखता है। यह कंपनी आधुनिक उद्योगों की बदलती मांगों को पूरा करने के लिए नवीन हार्डवेयर डिजाइन और विश्वसनीय समाधान प्रदान करती है।

कर्मा यंत्र

अभिलाष पटेल, सैकत मजूमदार, सथ्यनारायणन सेशसायणन और सौम्य रंजन साहू द्वारा स्थापित स्टार्टअप है, जो उन्नत मानवरहित और रोबोटिक प्रणालियों में विशेषज्ञता रखता है, जिसमें यूएवी(UAVs), एयूवी(AUVs), एजीवी(AGVs), रोबोट मैनिपुलेटर्स और अत्याधुनिक हार्डवेयर/सॉफ्टवेयर शामिल हैं। यह कंपनी विभिन्न औद्योगिक और अनुसंधानात्मक अनुप्रयोगों के लिए उच्च प्रदर्शन समाधान प्रदान करती है।

फेरोमोन रिसर्च सॉल्यूशंस

हुर्रिया एजाज़ और बरकत हुसैन भट द्वारा स्थापित स्टार्टअप है। यह स्टार्टअप पर्यावरण के अनुकूल, फेरोमोन-आधारित कीट प्रबंधन प्रौद्योगिकियों में विशेषज्ञता रखता है। यह प्रतिष्ठान सशक्त प्राकृतिक संकेतों का उपयोग करके बागवानी, कृषि और वानिकी में कीटों को प्रभावी नियंत्रण का समाधान प्रस्तुत करता है, जिससे न केवल फसल उत्पादन में अभिवृद्धि होती है, बल्कि पर्यावरणीय स्थायित्व को सुदृढ़ किया जाता है।

जारबिट्स प्राइवेट

संजय कुमार शुक्ला और ऋचा शर्मा द्वारा स्थापित स्टार्टअप है, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, इंटरनेट ऑफ़ थिंग्स और ब्लॉकचैन जैसी नवीनतन तकनीकों के आधार पर अत्याधुनिक ड्रोन समाधान विकसित करता है। यह प्रतिष्ठान लॉजिस्टिक्स, रक्षा, विमानन और खुदरा जैसे विविध क्षेत्रों में अपनी विशेषज्ञता के माध्यम से बहुआयामी नवाचारों का सृजन करता है, जो कार्यक्षमता और सटीकता को उन्नत करने में सहायक सिद्ध होते है।

23 दिसंबर 24

एसआईआईसी आईआईटी कानपुर ने आईआईएम नागपुर के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिसका उद्देश्य सह-इन्क्यूबेशन समर्थन के माध्यम से स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को सशक्त बनाना है। इस सहयोग के तहत, विशेष रूप से महाराष्ट्र और इसके आसपास के क्षेत्रों से आए हुए एसआईआईसी में इन्क्यूबेटेड स्टार्टअप्स को आईआईएम नागपुर में इनक्यूबेशन संसाधनों तक पहुंच प्राप्त होगी। यह साझेदारी व्यापार और प्रबंधन के क्षेत्र में अमूल्य विशेषज्ञता और मार्गदर्शन प्रदान करने का उद्देश्य रखती है, ताकि इन स्टार्टअप्स की वृद्धि और सफलता को प्रोत्साहित किया जा सके।

9 जनवरी 25

एसआईआईसी आईआईटी कानपुर और पीएसआईटी कानपुर ने एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत दोनों संस्थाएं मिलकर स्टार्टअप्स का इन्क्यूबेशन करेंगी और साझा संसाधनों और विशेषज्ञता का लाभ उपलब्ध कराएंगी। दोनों संस्थानों के प्रमुख अधिकारियों की उपस्थिति में सम्पन्न इस सहयोग का उद्देश्य उद्योग विशेषज्ञों के संयुक्त नेटवर्क के माध्यम से मार्गदर्शन को सशक्त बनाना है, ताकि स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र में विकास और समृद्धि सुनिश्चित की जा सके।

कार्यक्रम

की झलकियां

20 दिसंबर, 2024 को, आईडेक्स (IDEX) ने इंडस-एक्स (INDUS-X) शैक्षणिक श्रृंखला के अंतर्गत "गुरुकुल सत्र" का आयोजन किया, जिसका प्रमुख विषय वैश्विक सहयोग पर आधारित था। इस सत्र में एसआईआईसी, आईआईटी कानपुर के प्रो. दीपू फिलिप ने भाग लिया और भारत और अमेरिका की अकादमिक संस्थाओं के बीच सहयोग को सुदृढ़ करने की रणनीतियों पर प्रकाश डाला। सत्र में एसआईआईसी की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया गया, जो रक्षा और संबद्ध क्षेत्रों के लिए नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को जोड़ने में सहायक रही है । इस पहल ने आईडीईएक्स (IDEX) के साथ साझी दृष्टि को सशक्त किया, जिसका उद्देश्य रक्षा स्टार्टअप्स का पोषण करना और राष्ट्रीय व वैश्विक सुरक्षा के लिए नवाचार-आधारित साझेदारियों को प्रोत्साहित करना है।

और पढ़ें

24 दिसंबर, 2024 को, एसआईआईसी, आईआईटी कानपुर ने बिठूर स्थित रॉयल ड्रीम इंटर कॉलेज के 100 छात्रों के मेजबानी करते हुए नवाचार एवं उद्यमशीलता पर एक ज्ञानवर्धक सत्र का आयोजन किया। इस अवसर पर एसआईआईसी के श्री विकास प्रकाश और श्री चार्ल्स अविनाश ने स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र, नवाचारशील दृष्टिकोण तथा विचारों को प्रभावी समाधान में परिवर्तित करने की यात्रा पर गहन विचार प्रस्तुत किए। इस सत्र के प्रमुख आकर्षणों में छात्र-नेतृत्व वाले प्रोजेक्ट्स का सजीव प्रदर्शन, स्टार्टअप संस्थापकों के साथ एक प्रश्नोत्तर सत्र, तथा नवाचारशील मानसिकता पर केंद्रित एक संवादात्मक कार्यशाला सम्मिलित थे।

और पढ़ें

27 दिसंबर, 2024 को एसआईआईसी, आईआईटी कानपुर ने स्टार्टइन यूपी स्टार्टअप के सहयोग से 'स्टार्टअप्स हेतु एआई लॉन्चपैड' कार्यशाला का आयोजन किया। डॉ सर्वेश सोनकर के नेतृत्व में, इस सत्र ने एआई/एमएल के माध्यम से प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त प्रदान करने और उसकी सफल कार्यान्वयन रणनीतियों पर गहन अंतर्दृष्टि प्रदान की। इस आयोजन के अंतर्गत एआईआईडीई-सीओई कोहोर्ट-4 के तहत उपलब्ध अवसरों को भी प्रस्तुत किया गया, जिनमें स्टार्टअप्स को इनक्यूबेशन, मार्गदर्शन, वित्तपोषण और एआई नवाचार को प्रेरित करने के लिए एक सहयोगात्मक तंत्र उपलब्ध कराने की पहल शामिल है। यह प्रभावशाली सत्र एसआईआईसी और स्टार्टइन यूपी की एआई स्टार्टअप्स परिदृश्य को प्रगति करने की प्रतिबद्धता को और अधिक सुदृढ़ता प्रदान करता है।

और पढ़ें

3 जनवरी, 2025 को एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर ने कोटक इक्विटी एसेट ग्रुप के संस्थापक साझेदार और प्रमुख सलाहकार श्री नितिन देशमुख के साथ एक गहन ज्ञानवर्धक सत्र का आयोजन किया। इस सत्र में श्री देशमुख ने जैवप्रौद्योगिकी, औषधि विज्ञान (फार्मास्यूटिकल्स) और निवेश रणनीतियों के क्षेत्र में अपनी व्यापक विशेषज्ञता का परिचय देते हुए स्टार्टअप्स के लिए अत्यंत मूल्यवान विचार और व्यावहारिक, मार्गदर्शन प्रस्तुत किया। विशेषरूप से जैवप्रौद्योगिक और चिकित्सा प्रौद्योगिकों से जुड़े स्टार्टअप्स के लिए ये सत्र प्रेरणादायक और उपयोगी सिद्ध हुआ, जिसमें उन्हें भारत के अग्रणी विशेषज्ञ से ज्ञान प्राप्त करने और अपने नवाचारों को सशक्त बनाने का दुर्लभ अवसर प्राप्त हुआ।

और पढ़ें

कार्यक्रम

की झलकियां

एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर ने फिक्की (FICCI) फ्लो (FLO) की 30 महिला उद्यमियों का स्वागत किया, जिसका नेतृत्व अध्यक्ष सुश्री नलिनी संवाल और मार्गदर्शक-समन्वयक डॉ. शेफाली राज ने किया। इस समूह ने आईआईटी कानपुर के स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र का गहन अन्वेषण किया, जिसमें उन्होंने जस्ट डेटा एनालिटिक्स (Just Data Analytics), ड्रीम एयरोस्पेस (DREAM AEROSPACE), मेदांत्रिक® (Medantrik®), और जेटसन रोबोटिक्स (Jetson Robotics) के संस्थापकों के साथ बातचीत की। इस यात्रा के दौरान में ड्रोन केंद्र का अवलोकन और एसआईआईसी (SIIC) के सीओओ श्री पीयूष मिश्रा द्वारा भारत के स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र पर एक सत्र आयोजित किया गया। इसके अतिरिक्त श्रीमति सुधा सेल्वराज ने एसआईआईसी(SIIC) द्वारा समर्थित महिला उद्यमियों की प्रेरणादायक सफलता की कथाएं साझा की, जिन्होंने अपने उत्कृष्ट कार्यों से महिला उद्यमिता के क्षेत्र में नई दिशा दी।

और पढ़ें

राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस 2025 के उपलक्ष्य में, एसआईआईसी आईआईटी कानपुर ने "स्ट्रेटेजीज टू स्प्लिट इक्विटी अमांगस्ट स्टार्टअप फाउंडर्स" विषय पर एक गहन वेबिनार का आयोजन किया। इस वेबिनार में विंडमिल हेल्थ टेक्नोलॉजीज के सह-संस्थापक और प्रसिद्ध उद्यमी डॉ. अविजीत बंसल ने अपने अनुभवों और विशेषज्ञता के आधार पर इक्विटी वितरण की प्रभावशाली रणनीतियों और सामान्य गलतियों से बचने के उपायों पर प्रकाश डाला, जो किसी भी स्टार्टअप की दीर्घकालिक सफलता के लिए अनिवार्य हैं। बाइरैक (BIRAC) के सहयोग से, एसआईआईसी आईआईटी कानपुर, नवाचार और उद्यमशीलता के संवर्धन हेतु प्रतिबद्ध है, जो स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी स्टार्टअप्स को उनके अद्वितीय विचारों को परिवर्तनकारी और प्रभावशाली समाधानों में परिणत करने की क्षमता प्रदान करता है।

और पढ़ें

अभिव्यक्ति 2025, स्टार्टअप इनक्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर (एसआईआईसी), आईआईटी कानपुर का प्रमुख आयोजन 17-19 जनवरी, 2025 के मध्य संपन्न हुआ, जिसमें नवाचार और उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करने का उत्सव मनाया गया। "अनलीशिंग इमर्जिंग इनोवेशन(उभरते नवाचारों का अनावरण)" थीम पर आधारित इस का भव्य आयोजन में 100 से अधिक स्टार्टअप्स के अनुकरणीय प्रदर्शनों का आयोजन हुआ,जिनमें पैनल चर्चा, नेतृत्व संवाद, उत्पाद विमोचन, रोमांचक प्रतियोगिताएं तथा ड्रोन, मेडटेक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उत्कृष्टा केंद्रों में नवीन स्टार्टअप समूहों का शुभारंभ सम्मिलित रहा। अभिव्यक्ति 2025 ने सामूहिक प्रयासों की भावना को प्रगाढ़ करते हुए और भविष्य हेतु परिवर्तनकारी नवाचारों को गति प्रदान करने की प्रेरणा के साथ अपने भव्य, प्रेरणास्पद एवं वैभवशाली समापन की उत्कर्ष परिणति को प्राप्त किया।

और पढ़ें

एसआईआईसी ने आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय (MoHUA) के सहयोग से "गार्बेज- फ्री सिटीज़" के स्टार्टअप गेटवे के कोहोर्ट 2 में 38 स्टार्टअप्स का समावेश किया। शहरी अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में यह पहल, जो अत्याधुनिक पुनचक्रण तकनीकों, स्मार्ट कचरा संग्रहण प्रणालियाँ और कचरे को ऊर्जा में बदलने वाली प्रौद्योगिकियों जैसी अभिनव और दूरदर्शी समाधान को बढ़ावा देती है। एसआईआईसी और मोहुआ (MoHUA) के समर्थन के साथ, इन स्टार्टअप्स को अपनी नवाचारों को विस्तार देने और दीर्घकालिक पर्यावरणीय प्रभाव बनाने के लिए समाधान और मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

अभिव्यक्ति 2025 ने "उभरती प्रौद्योगिकियों में भारत को एक तकनीकी-पावरहाउस बनाने का रोडमैप" शीर्षक से एक पैनल चर्चा की मेजबानी की, जिसमें प्रोफेसर अजीत कुमार चतुर्वेदी, प्रोफेसर अंकुश शर्मा, श्री अनुज मोहन शेरी, श्री राजेश कुमार पाठक और श्री तेजस गोयनका जैसे विशेषज्ञों ने सहभागिता की। इस चर्चा का संचालन प्रोफेसर शर्मा द्वारा किया गया। चर्चा में 5जी, 6जी, फिनटेक और उन्नत विनिर्माण जैसी प्रौद्योगिकियों में भारत की क्षमता पर प्रकाश डाला गया, जिसमें शिक्षा और उद्योग के बीच सहयोग, स्टार्टअप समर्थन और वैश्विक समाधानों को स्थानीय बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। कार्यक्रम का समापन एक प्रेरक प्रश्नोत्तर सत्र के साथ हुआ।

ओपनस्पेक्ट्रम एआई

ने दिल्ली के पल्ला गाँव में अपने अत्याधुनिक स्मार्ट फार्मिंग समाधान, एग्रोट्रेस का सफलतापूर्वक शुभारम्भ किया। यह उन्नत उपकरण मृदा स्वास्थ्य के प्रमुख कारकों जैसे जल की क्षमता एवं तापमान की सूक्ष्मतम निगरानी करते हुए जल तथा पोषक तत्वों की आवश्यकताओं का सटीक आकलन करता है। स्थल निरीक्षण के अवसर पर एसआईआईसी अधिकारियों ने पाया कि इस तकनीक के प्रयोग से टमाटर, खीरा, जुकिनी और लौकी जैसी फसलों की उपज में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह अभूतपूर्व पहल भारतीय कृषि जगत में एक युगांतकारी का ही परिवर्तन संकेतक है।

और पढ़ें

एलसीबी फर्टिलाइजर्स

ने मध्य प्रदेश के दमोह के बटियागढ़ में अपनी जैविक उर्वरक उत्पादन इकाई का शुभारम्भ श्रद्धेय श्री अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती के पवन अवसर पर किया। यह परियोजना एक्सप्रेस-ई-कनेक्ट प्राइवेट लिमिटेड और अखिल भारतीय पंचायत परिषद के साथ साझेदारी में संचालित है, जिसे मध्य प्रदेश सरकार का महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ। इस अवसर पर ग्रामीण विकास और पंचायती राजमंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल की अध्यक्षता में समारोह का आयोजन हुआ, जिसमें इस परियोजना को सतत कृषि, ग्रामीण उन्नयन और पर्यावरण हितेषी नवाचारों की दिशा में एक प्रबल प्रयास के रूप में प्रतिष्ठित किया गया।

और पढ़ें

TIDE 2.0 स्केल-अप निवेश अनुदान प्राप्तकर्ताओं

की घोषणा की गई है, जिसमें सिमैक्ट्रिकल्स प्राइवेट लिमिटेड, ट्रीकल टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड और इंडस्टिल फार्मटेक प्राइवेट लिमिटेड शामिल है। इन स्टार्टअप्स को उभरती हुई प्रौद्योगिकियों के सृजनात्मक उपयोग के माध्यम से समाजिक चुनौतियों के समाधान में उनके अभिनव योगदान के लिए सम्मानित किया गया है। चयन प्रक्रिया में प्रस्तुत प्रस्तावों का गहन मूल्यांकन किया गया, जिसमें उत्पाद की नवोन्मेषिता विस्तार की संभावनाएं ओर टीम सामूहिक क्षमता जैसे मापदंड शामिल थे। इसके पश्चात विशेषज्ञ समिति के सक्षम पिचिंग सत्र आयोजित किया गया, जिसके आधार पर इन स्टार्टअप्स का चयन किया गया।

और पढ़ें

आईआईटी कानपुर के बीएफआई-बायोम कोहॉर्ट

ने ब्लॉकचेन फॉर इम्पैक्ट के सहयोग से, चिकित्सा प्रौद्योगिकियों में विशिष्ट प्रगतियों को सम्मानित करते हुए अपने उद्घाटन सम्मान प्राप्तकर्ताओं की घोषणा की।सम्मानित फेलो में अश्वनी यादव को दृष्टिबाधित व्यक्तियों हेतु स्मार्ट एआई चश्में के विकास के लिए और शुभदीप मित्रा को प्रारंभिक मौखिक कैंसर का शीघ्र पता लगाने के लिए माइक्रोफ्लुइडिक बायोसेंसर के निर्माण के लिए चयनित किया गया। किकस्टार्टर पहल ने क्षम इनोवेशन के प्रतीक राघुवंशी को श्रवण और वाणी बाधित व्यक्तियों के लिए एबल चश्में और आरएनटी हेल्थ इनसाइट्स के तनमय गुलाटी को एंडोस्कोपी के दौरान गैस्ट्रिक कैंसर के घावों की पहचान हेतु एआई प्रणाली के निर्माण के लिए सम्मानित किया।

और पढ़ें

सिमैक्ट्रिकल्स

जो एसआईआईसी, आईआईटी कानपुर में इन्क्यूबेटेड एक नवाचारी स्टार्टअप है, ने अपने वायरलेस ईवी चार्जर की अवधारणा (प्रूफ ऑफ कॉन्सेप्ट- POC) का सफलतापूर्वक हस्तांतरण टोयोटा त्सुशो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, गुरुग्राम को किया। यह उपलब्धि न केवल स्मार्ट और सतत ईवी चार्जिंग समाधान की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम है, बल्कि तकनीकी नवाचार और पर्यावरणीय संतुलन की ओर भारत की प्रतिबद्धता को भी प्रवाभशाली ढंग से प्रस्तुत करती है।

और पढ़ें

एआईआरथ

आईआईटी कानपुर के एसआईआईसी द्वारा समर्थित एक अग्रणी क्लाइमेटेक स्टार्टअप, ने शार्क टैंक इंडिया के प्रतिष्ठित निवेशकों अमन गुप्ता और विनिता सिंह को अपने अभिनव एसी फ़िल्टर तकनीक के माध्यम से गहराई से प्रभावित किया और उनके निवेश को प्राप्त करने में सफलता हासिल की। ये विशेष फ़िल्टर साधारण एयर कंडीशनरों को अत्यधिक प्रभावी वायु शोधक यंत्र में बदल देते हैं। यह तकनीक वायु में मौजूद 99% तक के प्रदूषकों को समाप्त कर इनडोर वायु की गुणवत्ता में असाधारण सुधार प्रदान करती हैं। एसआईआईसी को गर्व है उसने इस क्रांतिकारी तकनीक के विकास में एआईआरथ का समर्थन किया, जो वास्तविक जीवन की समस्याओं के समाधान हेतु प्रभावशाली नवाचार को प्रोत्साहित करने की उसकी प्रतिबद्धता का उत्कृष्ट उदहारण है।

और पढ़ें

आईआईटी कानपुर

ने अभियक्ति '25 में फेज-चेंज मटेरियल (PCM) - बेस्ड थर्मल मैनेजमेंट सिस्टम का अनावरण किया। प्रो. श्री शिवकुमार द्वारा विकसित, यह प्रणाली उच्च तापीय चालकता और भंडारण घनत्व के साथ ऊर्जा-कुशल,और पर्यावरण के अनुकूल शीतलन सुनिश्चित करती है, जो आइसक्रीम भंडारण, खाद्य संरक्षण और कोल्ड चेन लॉजिस्टिक्स के लिए आदर्श है। यह प्रणाली लगातार 20 से 10 डिग्री सेल्सियस तक के स्थिर तापमान को बनाए रखने में सक्षम है और पर्यावरणीय चुनौतियों को प्रभावशाली ढंग से हल करती है।

और पढ़ें

राकेश भार्गव

नवाचार के अग्रदूत (पायनियर्स ऑफ इनोवेशन) में हमने श्री राकेश भार्गव से संवाद किया, जो फार्मास्यूटिकल्स चिकित्सीय उपकरणों और पोषण चिकित्सा के क्षेत्र में एक अद्वितीय व्यक्तित्व्य हैं। फ्रेसिनियस काबी ऑन्कोलॉजी लिमिटेड के पूर्व अध्यक्ष के रूप में, उन्होंने औद्योगिक प्रगति के नए आयाम स्थापित किए और अनेकों स्वास्थ्य-प्रौद्योगिकी स्टार्टअप्स को मार्गदर्शन प्रदान कर उनके पथप्रदर्शक बने। व्यापार के परे, उनके मानवीय प्रयास जैसे, सुनामी राहत कार्य, उन्हें रोटरी फाउंडेशन में विशेष मान्यता दिलाने में सहायक सिद्ध हुए। वर्ष 2021 में, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर ने उन्हें उद्योग और समाज के प्रति उनके विशिष्ट योगदान हेतु उन्हें विशिष्ट पूर्व छात्र पुरस्कार से अलंकृत किया। वर्तमान में, वे पुणे में निवास कर रहे हैं, जहां वह विभिन्न मेडटेक स्टार्टअप्स के लिए मार्गदर्शक की भूमिका निभा रहे है। इस साक्षात्कार में, उन्होंने नेतृत्व, नवाचार और स्वास्थ्य सेवा के भविष्य पर अपने विचार साझा किए।

प्रो अमिताभ बंधोपाध्याय (एबी): आप पिछले पच्चीस वर्षों में ऑटोमोबाइल उद्योग की प्रगति की तुलना किस प्रकार करते है, और आगामी दशक में चिकित्सा उपकरण उद्योग के विकास और उसकी संभावनाओं को किस दृष्टिकोण से विश्लेषित करेंगे?

राकेश भार्गव (आरबी): यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्रश्न है, डॉ. बंदोपाध्याय। ऑटोमोबाइल उद्योग का विकास वर्तमान में मेडटेक के क्षेत्र में हो रहे परिवर्तनों के समानांतर है। जहाँ वाहन पूर्णतः यांत्रिक प्रणाली से विकसित होकर इलेक्ट्रॉनिक्स और स्मार्ट मशीनों में रूपांतरित हो गए हैं, वहीं चिकित्सा उपकरण भी सरल यांत्रिक रूपों से उन्नत यांत्रिक नियंत्रण और रोबोटिक्स जैसे जटिल नियंत्रण उपकरणों में परिवर्तित हो चुके हैं। सततता (सस्टेनेबिलिटी) भी एक साझा उद्देश्य है; ऑटो उद्योग पारंपरिक दहन इंजन से हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर बढ़ रहा है, वहीं मेडटेक ऊर्जा-दक्ष समाधानों की ओर अग्रसर है। और यदि हम भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग की वृद्धि को देखें- जहाँ पहले आयात पर निर्भरता थी और अब एक सशक्त स्वदेशी निर्माण आधार खड़ा हो चूका है- तो मुझे विश्वास है कि हम मेडटेक क्षेत्र में भी उसी मार्ग पर हैं, जहां नवाचार और स्थानीय उत्पादन इस उद्योग को प्रगति कि ओर अग्रसर करेंगे।

एबी: आप किस प्रकार मानते है कि मेडटेक पारिस्थितिकी तंत्र का विकास भविष्य में होगा?

आरबी: एक सशक्त और समृद्ध मेडटेक पारिस्थितिकी तंत्र कि स्थापना हेतु उनके प्रमुख तत्वों कि आवश्यकता होती है: कुशल डिजाइन इंजीनियरों की उपलब्धता, सुलभ वित्तीय संसाधन उपकरणों और सामग्री के लिए निर्बाध आपूर्ति श्रृंखला और अत्याधुनिक परीक्षण सुविधाएं। डिजाइन प्रक्रिया को स्थानीय स्तर पर सम्पन्न की जा सकती है या आयातित प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जा सकता है; दोनों परिस्थितयों में, उच्च गुणवत्ता वाली साम्रगी और सुसंगत परीक्षण अवसंरचनाओं तक पहुंच सुनिश्चित करना अत्यधिक महत्वपूर्ण है। परीक्षण कई स्तरों पर अनिवार्य है, जिसमें प्रत्येक साम्रगी की वैधता की पुष्टि करना, यांत्रिक, विद्युत और नियामक अनुपालना की गारंटी देना और सर्वोपरि सुरक्षा सुनिश्चित करना शामिल है। जैसे ऑटोमोबाइल उद्योग में कड़े नियम होते है, वैसे ही मेडटेक क्षेत्र भी एक अत्यंत नियंत्रित और सख्त मानक वाले क्षेत्र के रूप में स्थापित है, जिसमें सुरक्षा और पर्यावरणीय नियमन की प्रबल उपस्थिति हैं। ये नियम इस उद्देश्य से लागू किए गए हैं कि रोगी की सुरक्षा सुनिश्चित कि जा सके और चिकित्सा अपशिष्ट का सही एवं पर्यावरण- संवेदनशील प्रबंधन किया का सके।

एबी: कृपया अपने विचार साझा करें कि कैसे नोकार्क रोबोटिक्स और इंटिनस जैसे स्टार्टअप, जिन्हें आपने सलाह दी है, ने नियामक चुनौतियों का सामना किया है और इस पारिस्थितिकी तंत्र में सफल रहे हैं।

आरबी: नोकार्क रोबोटिक्स मेरे हृदय के अत्यंत समीप है, क्योंकि यह दो आईआईटी कानपुर के गौरवमयी स्नातकों द्वारा स्थापित किया गया है और एसआईआईसी में इसका संरक्षण हुआ है, जिससे मेरे आईआईटी कानपुर से एक अनन्य और अभिन्न संबंध जुड़ा हुआ है। प्रारंभ में यह कंपनी सौर पैनलों की सफाई पर केंद्रित थी, किन्तु महामारी के दौरान, जब वेंटिलेटरों की भयावय कमी उत्पन्न हुई, तो इसने अपना रुख वेंटिलेटर निर्माण कि ओर मोड़ लिया। चुनौतियां अत्याधिक भीषण थीं- क्योंकि जब देश में पूर्ण लॉकडाउन था, तो घटकों की अपूर्ति एक गंभीर समस्या बन गई। लॉकडाउन के दौरान आवश्यक घटकों की आपूर्ति करना एक अत्यंत अधिक कठिन कार्य था, लेकिन हमारे संसाधनशील सहयोगियों और हमारे पूर्व छात्र, राकेश गंगवाल की अतुलनीय सहायता से, जिन्होंने एयरलाइंस के माध्यम से हवाई शिपमेंट का प्रबंध किया, हम उन आवश्यक घटकों को प्राप्त करने में सफल हुए। डिजाइन और लॉजिस्टिक्स संबंधी समस्याओं का समाधान करने के लिए हमने तीन महीने तक निरंतर बैठकें कीं, और परिणामस्वरूप, नोकार्क ने एक वेंटिलेटर तैयार किया जो सरकार द्वारा निर्धारित सभी कठोर मानकों और तकनिकी विशिष्टताओं के अनुरूप था। यह एक अद्वितीय उपलब्धि थी, जो टीम की संकल्प शक्ति और उनकी उत्कृष्ट कार्य पद्धति को स्पष्ट रूप से दर्शाता है।

एबी: आप आईसीएमआर द्वारा 'मेडटेक मित्र' कार्यक्रम के शुभारंभ को भारत में चिकित्सा उपकरणों के विकास और गति को किस प्रकार प्रभावित करता हुआ देखते हैं?

आरबी: आईसीएमआर द्वारा 'मेडटेक मित्र' कार्यक्रम का शुभारंभ भारतीय मेडटेक क्षेत्र के लिए एक अभूतपूर्व कदम है। यह सभी प्रमुख भागीदारों-नियामकों, अस्पतालों, अभियंताओं और स्टार्टअप्स को एक साझा मंच पर लाने का प्रयास कर रहा है। इसका अर्थ है कि चिकित्सा उपकरणों के विकास के दौरान वित्तपोषण, सुरक्षा मानकों और तकनीकी विशेषज्ञता जैसे समाधानों तक अधिक सुलभता होगी। इसके अलावा, सीडीएसयू की एकल-खिड़की स्वीकृति प्रणाली के चलते स्वीकृतियां और उत्पादों को बाजार तक पहुंचाने की पूरी प्रक्रिया कही अधिक तेज और प्रभावी होगी। समग्र रूप से, यह कार्यक्रम चिकित्सा उपकरणों के विकास को कहीं अधिक सरल और कुशल बनाने में सहायक सिद्ध होगा।

अंक - 04 | संस्करण - 01| जनवरी 2025

आगामी

अनुदान/कार्यक्रम/ कार्यशालाएं

आवेदन के लिए आमंत्रण: 5G/6G CoE

LEARN MORE

आवेदन के लिए आमंत्रण: GENESIS EiR

LEARN MORE

आवेदन के लिए आमंत्रण: DST-NIDHI CoE

LEARN MORE

आवेदन के लिए आमंत्रण: TIDE 2.0 MVP Grant

LEARN MORE

आवेदन के लिए आमंत्रण: TIDE 2.0 EiR

LEARN MORE

आवेदन के लिए आमंत्रण: NIDHI SSS

LEARN MORE

संवर्धक

कॉर्पोरेट सामाजिक

HDFC BANK
ICICI Securities
Godrej
infoedge
CUGL Central U.P. Gas Limited
MCX METAL & ENERGY Trade with Trust
citi
CAPRI GLOBAL CAPITAL LIMITED
आरईसी REC
ETS-LINDGREN An ESCO Technologies Company
standard chartered
FORUM
NTT DATA
Ansys
DANA
GREEN GAS LIMITED
NATIONAL INFORMATICS CENTRE SERVICES INCORPORATED
SKODA | VOLKSWAGEN
Boehringer Ingelheim
SAFEXPRESS Distribution Redefined
PREMJI INVEST

वित्तपोषण और पर्यवेक्षण

DSIR
DEPARTMENT OF BIOTECHNOLOGY
Ministry of Electronics and Information Technology Government of India
Department of Science and Technology Ministry of Science and Technology Government of India
Ministry of Housing and Urban Affairs Government of India
बायरैक birac
NIDH by DST Entrepreneur-in-Residence
START INUP A Government of UP Initiative
icmr INDIAN COUNCIL OF MEDICAL RESEARCH
iDEX Innovations for Defence Excellence
SIDAC
sidbi
MeitY Startup Hub
SBI

ज्ञान

futureskills prime A MeitY - NASSCOM Digital Skilling Initiative
DWIH New Delhi Land of Ideas

कृत्रिम बुद्धिमता संवर्धन

PELTARION

उद्योग

FICCI
AIMED Encouraging Responsible Manufacturing Association of Indian Medical Device Industry

अंतर्राष्ट्रीय

iit STARTUPS
Singapore Indian Chamber of Commerce & Industry
MEET VENTURES
TORONTO BUSINESS DEVELOPMENT CENTRE

सेवा

aws
exotel
freshworks

क्लीनिकल

AIG HOSPITALS
Ruby Hall Clinic
NH Narayana Health Health for all. All for health.

IIT KANPUR
INCUBATION AND INNOVATION IIT KANPUR
STARTUP INCUBATION AND INNOVATION CENTRE IIT KANPUR

अंक - 04 | संस्करण - 01| जनवरी 2025

जनवरी 2025

टेक की बात

IIT KANPUR

INCUBATION AND INNOVATION IIT KANPUR

STARTUP INCUBATION AND INNOVATION CENTRE IIT KANPUR

www.siicincubator.com

सिडबी बिल्डिंग, सिक्स्थ एवेन्यू आईआईटी कानपुर
कल्याणपुर, कानपुर उत्तर प्रदेश 208016

इनोवेशन हब, आईआईटी कानपुर आउटरीच सेंटर,
ब्लॉक सी, सेक्टर 62, नोएडा